AARAMBH TIMES

UPSC करेंट अफेयर्स · हिन्दी संस्करण · HINDI EDITION

2026-03-13

इस अंक में

#01 इसरो और एम्स ने अंतरिक्ष चिकित्सा और अनुसंधान में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

#02 भारत का एलपीजी उत्पादन २५% बढ़ा; अधिकारी पैनिक बुकिंग से बचने का आग्रह करते हैं

#03 सुप्रीम कोर्ट के आदेश का चीनी मिल संघ ने स्वागत किया

#04 एमएसएमई फिनटेक प्रोगकैप ने महिला उद्यमियों के लिए मजबूत क्रेडिट प्रोफाइल सुविधा प्रदान की

#05 आसियान मंत्री पश्चिम एशिया संकट पर बैठक करेंगे

#06 Rules apply to every MP, no one has privilege to speak any time on any thing: Birla returns to LS

राजनीति एवं शासन · अंतर्राष्ट्रीय संबंध · विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

#01

इसरो और एम्स ने अंतरिक्ष चिकित्सा और अनुसंधान में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) ने अंतरिक्ष चिकित्सा और संबंधित क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य मानव अंतरिक्ष मिशनों के दौरान मानव स्वास्थ्य, प्रदर्शन और सुरक्षा को आगे बढ़ाना है, जो इसरो के प्राथमिकता क्षेत्रों के साथ संरेखित है। इस सहयोग से दोनों संस्थानों की अंतरिक्ष चिकित्सा और अनुसंधान के क्षेत्र में क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है।

पृष्ठभूमि

> *इसरो मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है, जिसमें गगनयान कार्यक्रम एक प्रमुख पहल है। एम्स के साथ सहयोग इस कार्यक्रम के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें अंतरिक्ष यात्रा के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है। यह समझौता ज्ञापन इसरो के प्रयासों के साथ भी संरेखित है जो देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों की विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए अंतरिक्ष चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए है।*

मुख्य बिंदु

- **इसरो — अंतरिक्ष चिकित्सा अनुसंधान:** एम्स के साथ सहयोग मानव स्वास्थ्य और प्रदर्शन को अंतरिक्ष में आगे बढ़ाने के लिए।
- **एम्स — चिकित्सा अनुसंधान:** इसरो के साथ साझेदारी अंतरिक्ष चिकित्सा और संबंधित क्षेत्रों में योगदान देने के लिए।
- **इसरो — गगनयान कार्यक्रम:** समझौता ज्ञापन कार्यक्रम के उद्देश्यों को समर्थन देने के लिए, जिसमें अंतरिक्ष यात्री स्वास्थ्य और सुरक्षा शामिल है।
- **इसरो — प्राथमिकता क्षेत्र:** अनुसंधान इसरो के प्राथमिकता क्षेत्रों के साथ संरेखित, जिसमें मानव अंतरिक्ष उड़ान और अंतरिक्ष चिकित्सा शामिल है।
- **एम्स — अनुसंधान क्षमता:** अंतरिक्ष चिकित्सा और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान क्षमता में वृद्धि सहयोग के माध्यम से।

नीतिगत निहितार्थ

> *इसरो और एम्स के बीच समझौता ज्ञापन का भारत में अंतरिक्ष चिकित्सा और अनुसंधान पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। यह सहयोग न केवल दोनों संस्थानों की क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों को आगे बढ़ाने में भी योगदान देगा, जिसमें अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है। यह साझेदारी नए प्रौद्योगिकियों और नवाचारों के विकास को भी बढ़ावा देगी।*

The Hindu

राजनीति एवं शासन · अर्थव्यवस्था · बुनियादी ढाँचा

#02

भारत का एलपीजी उत्पादन २५% बढ़ा; अधिकारी पैनिक बुकिंग से बचने का आग्रह करते हैं

भारत का एलपीजी उत्पादन सरकार द्वारा आपूर्ति रखरखाव आदेश जारी करने के बाद २५% बढ़ गया है। देश अपनी एलपीजी आवश्यकताओं का ६०% आयात करता है, जिसमें से ९०% आयात होरमुज़ जलडमरूमध्य के माध्यम से होता है। यह उत्पादन वृद्धि देश में एलपीजी की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करने की उम्मीद है। सरकार ने उपभोक्ताओं से पैनिक बुकिंग से बचने का आग्रह किया है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला में अनावश्यक कमी और व्यवधान हो सकता है। वर्तमान उत्पादन स्तर बाजार को स्थिर करने और आयात पर निर्भरता कम करने की उम्मीद है।

पृष्ठभूमि

> *होरमुज़ जलडमरूमध्य भारत के ऊर्जा आयात के लिए एक महत्वपूर्ण शिपिंग लेन है, और इस क्षेत्र में कोई भी व्यवधान भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण परिणाम हो सकता है। इंद्रा साहनी मामला, जो आरक्षण नीतियों से संबंधित है, लंबी अवधि की योजना और रणनीतिक निर्णय लेने के महत्व को रेखांकित करता है।*

मुख्य बिंदु

- **सरकार — आपूर्ति रखरखाव आदेश:** एलपीजी उत्पादन को २५% बढ़ाने के लिए लागू किया गया है।
- **भारत — एलपीजी आयात:** ६०% आवश्यकताएं आयात की जाती हैं, जिसमें से ९०% होरमुज़ जलडमरूमध्य के माध्यम से होता है।
- **सरकार — उपभोक्ता सलाहकार:** पैनिक बुकिंग से बचने के लिए उपभोक्ताओं से आग्रह कर रहा है ताकि आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान से बचा जा सके।
- **भारत — ऊर्जा सुरक्षा:** होरमुज़ जलडमरूमध्य भारत के ऊर्जा आयात के लिए एक महत्वपूर्ण शिपिंग लेन है, और इस क्षेत्र में कोई भी व्यवधान भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण परिणाम हो सकता है।
- **सरकार — उत्पादन लक्ष्य:** बाजार को स्थिर करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए उत्पादन में वृद्धि का लक्ष्य है।

नीतिगत निहितार्थ

> *एलपीजी उत्पादन में वृद्धि एक सकारात्मक विकास है, लेकिन सरकार को स्थिति पर नजर रखनी चाहिए और देश की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए स्थिर एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। यह नए उत्पादन सुविधाओं में निवेश करने, बुनियादी ढांचे में सुधार करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए नीतियों को लागू करने को शामिल कर सकता है।*

The Hindu

राजनीति एवं शासन

#03

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का चीनी मिल संघ ने स्वागत किया

सुप्रीम कोर्ट का आदेश चीनी उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण विकास है, जिसमें संघ ने इस कदम का स्वागत किया है। आदेश गन्ना किसानों को बकाया भुगतान के संबंध में है, जिसमें कोर्ट ने चीनी मिलों को बकाया भुगतान करने का निर्देश दिया है। संघ ने राहत व्यक्त की है, आदेश को उद्योग के लिए राहत के रूप में बताया है। चीनी मिल संघ को बकाया भुगतान के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था, जिसमें कुल बकाया राशि लगभग ₹2.5 लाख करोड़ है। आदेश से देश भर के 50 लाख से अधिक गन्ना किसानों को लाभ होने की उम्मीद है।

पृष्ठभूमि

> *गन्ना किसानों को बकाया भुगतान का मुद्दा एक लंबे समय से चला आ रहा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी इस संबंध में मामलों की सुनवाई की है। वर्तमान आदेश एक महत्वपूर्ण विकास है, जो कोर्ट के पूर्व निर्देशों पर आधारित है। चीनी उद्योग एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसमें भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक है, और आदेश का उद्योग के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।*

मुख्य बिंदु

- **सुप्रीम कोर्ट — चीनी उद्योग आदेश:** चीनी मिलों को गन्ना किसानों को बकाया भुगतान करने का निर्देश दिया।
- **चीनी मिल संघ — प्रतिक्रिया:** सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत किया, इसे उद्योग के लिए राहत के रूप में बताया।
- **गन्ना किसान — लाभ:** देश भर के 50 लाख से अधिक गन्ना किसानों को लाभ होने की उम्मीद है।
- **बकाया भुगतान — राशि:** कुल बकाया राशि लगभग ₹2.5 लाख करोड़ है।
- **चीनी उद्योग — प्रभाव:** आदेश का उद्योग के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

नीतिगत निहितार्थ

> *सुप्रीम कोर्ट का आदेश चीनी उद्योग पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की संभावना है, जिसमें चीनी मिलों के वित्तीय स्वास्थ्य में सुधार और गन्ना किसानों को लाभ होने की संभावना है। हालांकि, आदेश के क्रियान्वयन के लिए उद्योग और सरकार को मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी ताकि भुगतान समय पर किया जा सके। चीनी उद्योग के लिए यह एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जिसमें आगे की कार्रवाई के लिए एक स्पष्ट रोडमैप की आवश्यकता होगी।*

The Hindu

राजनीति एवं शासन · अर्थव्यवस्था · SCHEMES & INITIATIVES

#04

एमएसएमई फिनटेक प्रोगकैप ने महिला उद्यमियों के लिए मजबूत क्रेडिट प्रोफाइल सुविधा प्रदान की

प्रोगकैप, एक एमएसएमई फिनटेक, ने घोषणा की है कि उसकी प्रोगशक्ति पहल ने महिला उद्यमियों को ₹10,000 करोड़ से अधिक क्रेडिट प्रदान करने में सक्षम बनाया है। यह पहल महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों के लिए क्रेडिट तक आसान पहुंच प्रदान करने के उद्देश्य से है, जिससे उनके क्रेडिट प्रोफाइल को मजबूत किया जा सके। प्रोगशक्ति पहल एमएसएमई क्षेत्र में महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस उपलब्धि के साथ, प्रोगकैप ने महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों का समर्थन करने और भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है।

पृष्ठभूमि

> *प्रोगशक्ति पहल प्रोगकैप के प्रयासों का हिस्सा है जो वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और एमएसएमई क्षेत्र में महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों के विकास का समर्थन करने के लिए है। भारत सरकार ने भी महिला उद्यमिता और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलों और योजनाओं के माध्यम से सक्रिय रूप से काम किया है, जैसे कि स्टैंड-अप इंडिया योजना और मुद्रा योजना।*

मुख्य बिंदु

- **प्रोगकैप — प्रोगशक्ति पहल:** महिला उद्यमियों को ₹10,000 करोड़ से अधिक क्रेडिट प्रदान किया है।
- **प्रोगकैप — प्रोगशक्ति पहल:** महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों के लिए क्रेडिट तक आसान पहुंच प्रदान करने का उद्देश्य है।
- **प्रोगकैप — प्रोगशक्ति पहल:** महिला उद्यमियों के क्रेडिट प्रोफाइल को मजबूत करती है।
- **प्रोगकैप — प्रोगशक्ति पहल:** भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान देती है।
- **प्रोगकैप — प्रोगशक्ति पहल:** भारत सरकार के प्रयासों का समर्थन करती है जो महिला उद्यमिता और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए है।

नीतिगत निहितार्थ

> *प्रोगशक्ति पहल की सफलता का एमएसएमई क्षेत्र में महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। यह फिनटेक कंपनियों के लिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और महिला उद्यमिता के विकास का समर्थन करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता को दर्शाता है। यह पहल यह भी दर्शाती है कि महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को उनके सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने और अपनी पूरी क्षमता हासिल करने में मदद करने के लिए निरंतर समर्थन और संसाधनों की आवश्यकता है।*

The Hindu

अंतर्राष्ट्रीय संबंध · अर्थव्यवस्था · कृषि एवं ग्रामीण विकास

#05

आसियान मंत्री पश्चिम एशिया संकट पर बैठक करेंगे

इस साल के आसियान अध्यक्ष फिलीपींस द्वारा आयोजित बैठक में तेल की कीमतों में वृद्धि और शिपिंग, लॉजिस्टिक्स और व्यापार प्रवाह में व्यवधान पर चर्चा की जाएगी। बैठक का उद्देश्य संकट के प्रभावों और प्रतिक्रियाओं पर विचार करना है। आसियान अधिकारी क्षेत्र की निर्यात-निर्भर अर्थव्यवस्थाओं पर प्रभाव के बारे में चिंतित हैं। पश्चिम एशिया में संकट के कारण तेल की कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे पूरे क्षेत्र पर प्रभाव पड़ा है। आसियान सदस्य देश संकट के प्रभावों को कम करने के तरीकों की तलाश कर रहे हैं।

पृष्ठभूमि

> *पश्चिम एशिया संकट बढ़ रहा है, जिसमें ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच तनाव全球 ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित कर रहा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, एक महत्वपूर्ण तेल शिपिंग मार्ग, प्रभावित हुआ है, जिससे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। आसियान सदस्य देश, निर्यात-निर्भर अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, वैश्विक व्यापार प्रवाह में व्यवधान के प्रति संवेदनशील हैं।*

मुख्य बिंदु

- **आसियान — बैठक:** क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव पर चर्चा करने के लिए।
- **आसियान — तेल की कीमतें:** संकट के कारण तेल की कीमतों में वृद्धि एक बड़ी चिंता है।
- **आसियान — व्यापार प्रवाह:** शिपिंग, लॉजिस्टिक्स और व्यापार प्रवाह में व्यवधान क्षेत्र की निर्यात-निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहा है।
- **आसियान — आर्थिक प्रभाव:** संकट के कारण क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।
- **आसियान — कम करना:** आसियान सदस्य देश संकट के प्रभावों को कम करने के तरीकों की तलाश कर रहे हैं।

नीतिगत निहितार्थ

> *आसियान मंत्रियों द्वारा आयोजित बैठक क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण परिणाम होगी। चर्चा संकट के प्रभावों को कम करने और क्षेत्र की निर्यात-निर्भर अर्थव्यवस्थाओं की स्थिरता सुनिश्चित करने के तरीकों पर केंद्रित होगी। बैठक के परिणाम पश्चिम एशिया संकट पर क्षेत्र की प्रतिक्रिया निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होगा। आसियान सदस्य देशों को संकट के प्रभावों को कम करने के लिए एक संयुक्त प्रयास करने की आवश्यकता होगी।*

The Hindu

#06

Rules apply to every MP, no one has privilege to speak any time on any thing: Birla returns to LS

Rules apply to every MP, no one has privilege to speak any time on any thing: Birla returns to LS

मुख्य बिंदु

- Rules apply to every MP, no one has privilege to speak any time on any thing: Birla returns to LS

Indian Express